सांध्य दैनिक

4PM

भगवान, हमारे निर्माता ने हमारे मस्तिष्क और व्यक्तित्व में असीमित शक्तियां और क्षमताएं दी हैं। ईश्वर की प्रार्थना हमें इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है।

– डॉ. अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 251 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 18 अक्टूबर, 2024

पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड ने मैच पर कसा... 7 | कुंदरकी: क्या सपा का वर्चस्व तोड़... 3 | मिल्कीपुर उपचुनाव में जंग से... 2

हरियाणा जैसी गलती नहीं करेगी कांग्रेस!

महाराष्ट्र में चुनाव लड़ेगा 'इंडिया गठबंधन'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हरियाणा व जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के बाद अब देश की निगाह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर है। हरियाणा में NDA सरकार बना ले गई तो वहीं जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन ने मजबूती के साथ सरकार बनाई। लेकिन कांग्रेस का हरियाणा में जो हिसाब किताब गड़बड़या उससे उसका मनोबल थोड़ा गिरा जरूर है और शायद यही कारण है कि अब कांग्रेस इंडिया गठबंधन को और मजबूती के साथ एक-साथ चलने के प्रयास में है। कांग्रेस इस बार महाराष्ट्र से बड़ा मैसेज देने के मूड में है... और मैसेज बिलकुल साफ कि इंडिया गठबंधन एक साथ सामूहिक होकर महाराष्ट्र का चुनाव लड़े और इस चुनाव में बात सिर्फ महाविकास अघाड़ी की ही न रहे बल्कि बात इंडिया की हो। और शायद इन चुनाव परिणामों से अब जनता की भी यही मांग होगी!

महाराष्ट्र का चुनाव इंडिया गठबंधन ऐसे लड़े की कि इस बार इंडिया का हर बड़ा कद्दावर नेता चुनाव प्रचार करने के लिए महाराष्ट्र की जमी पर आए और उसका निशाना सीधे तौर पर बीजेपी ही हो। INDIA प्रदेश को ये अहसास कराए कि पिछली बार सरकार में होते हुए भी शिवसेना को कैसे असंवैधानिक तौर पर तोड़कर महाराष्ट्र में संविधान की धज्जियां उड़ाई गईं। इंडिया गठबंधन इस बात का भी एहसास कराए कि करप्शन बीजेपी के लिए कोई मायने रखता नहीं है और इस तरह के काम करने के लिए वो किसी भी स्तर पर जा सकती है। इंडिया गठबंधन के नेता शायद अब इसी तरह के नए रास्ते बनाने की कोशिश कर रहा है। इंडिया गठबंधन का ये फैसला हैरत अंगेज है, वो इसलिए क्योंकि महाराष्ट्र का किला इंडिया गठबंधन अगर फतेह नहीं कर पाई तो फिर सवाल इस गठबंधन के अस्तित्व पर भी आ जाएगा। क्योंकि हरियाणा के चुनाव नतीजों से जनता नाखुश है लेकिन उसे उम्मीद थी कि यहां से बड़ा बदलाव होगा और एक नए युग की शुरुआत की नींव वहीं से रख उठती। जो हरियाणा से महाराष्ट्र तक, महाराष्ट्र से बिहार तक और फिर बिहार से यूपी तक पहुंचता। और जब ये काफिला यूपी तक पहुंच जाता तो वहां से एक बड़ा संदेश साफ निकलकर आता और वो संदेश 2029 के लिए इंडिया गठबंधन को बहुत मजबूत प्रदान करता। महागठबंधन के इस काफिले को बीजेपी ने हरियाणा में रोक दिया इसलिए सवाल अब इंडिया गठबंधन के अस्तित्व पर आता दिख रहा है। हरियाणा चुनाव से पहले ये माना जा रहा था कि सबसे ज्यादा राजनीतिक दलों के गठजोड़ के साथ हरियाणा ही वह राज्य होगा जहां से इंडिया गठबंधन को जीत मिलेगी और उसके बाद महाराष्ट्र में जीत मिलेगी। लेकिन हरियाणा में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के सहयोगियों को किनारे लगा दिया और वहां अपने बल-बूते सरकार बनाने निकल पड़ी। नतीजा हुआ कि कांग्रेस को वहां बुरी तरह हार मिली लेकिन अब क्या ये गलती दोबार कांग्रेस करेगी? ये बड़ा सवाल है लेकिन राहुल गांधी ने इस बार मन बना लिया है कि जो गलती हरियाणा चुनाव में हुई है वो अब महाराष्ट्र में नहीं होनी चाहिए। महाराष्ट्र में सवाल सिर्फ उद्धव ठाकरे या शरद पवार भर का नहीं है, स्थिति यह भी है कि कांग्रेस अपने कोटे की सीट भी देने को तैयार है और यह मैसेज वह देना चाहती है कि समूचा इंडिया गठबंधन एक साथ खड़ा है और मजबूती के साथ महाराष्ट्र में चुनाव लड़ेगा। कांग्रेस कोर्स करेक्शन मोड में आ गई है।

महा विकास अघाड़ी- कितनी सीटों पर सहमति?

जानकारी के लिए बता दें कि कई सीटों को लेकर पहले ही सहमति बन चुकी है। हाल ही में हुई महा विकास अघाड़ी की मीटिंग में मुंबई की 36 में से 33 सीटों पर सहमति बन गई है, एक तरफ उद्धव गुट 18 सीटों पर चुनाव लड़ेगा, 15 सीटें कांग्रेस को दी गई हैं। इसी तरह शरद पवार के गुट को 2 सीटें मिलेंगी और एक सीट सपा के लिए छोड़ी गई लेकिन अभी तक कुर्ला, भायखला और अमुशक्ति सीट पर पेच फंसा हुआ है।

सपा को बिना कॉन्फिडेंस लिए चुनाव लड़ा तो बिगड़ेगा खेल!

महाराष्ट्र चुनाव में सपा की क्या रणनीति?

अभी के लिए समाजवादी पार्टी तो 10 से 12 सीटों की उम्मीद लगाए बैठी है। उसका तर्क है कि पिछली बार उसके दो विधायक जीते हैं, ऐसे में इस बार ज्यादा सीटों पर उसे दांव ठोकना है। गुरुवार को लखनऊ में बयान देते हुए भी अखिलेश यादव ने कहा था कि इंडिया गठबंधन उन्हें इस बार ज्यादा सीटें देगा। उसकी कोशिश ज्यादा से ज्यादा मुस्लिम बाहुल सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने की है। यहां समझना जरूरी है कि मुंबई में उत्तर भारतीय मुसलमानों की संख्या बहुत है, इस वजह से भी सपा इंडिया गठबंधन से सम्मानजक सीटों की उम्मीद लगाए बैठी है लेकिन क्या समाजवादी पार्टी को 10-12 सीटें मिलेंगी इस पर संसय बरकरार है। ऐसी खबर है कि इंडिया गठबंधन सपा को दो से ज्यादा सीटें दे सकता है लेकिन जितनी डिमांड की जा रही है, उतनी देने पर गठबंधन की सहमित शायद न बनें। सबसे ज्यादा सीटों पर शिवसेना (उद्धव गुट) और कांग्रेस ही राज्य में चुनाव लड़ने वाली हैं। उसके बाद शरद पवार की पार्टी, समाजवादी पार्टी और फिर अन्य पार्टियों में बंटनी है। यहां अभी के लिए सपा ने साफ कर दिया है कि अगर उसे बिना कॉन्फिडेंस में लिए सीटों का ऐलान हुआ तो पार्टी हर मजबूत सीट पर चुनाव लड़ेगी। ऐसे में जिस तरह से हरियाणा में सीटें ना जीतकर भी कांग्रेस का खेल बिगाड़ा, वैसा ही खेल महाराष्ट्र में भी हो सकता है।

महाराष्ट्र के मुताबिक यूपी में कांग्रेस से हिसाब-किताब करेंगे अखिलेश!

लखनऊ। महाराष्ट्र-झारखंड के साथ अब यूपी की भी 10 में से 9 विधानसभा सीट पर उपचुनाव का एलान हो गया। यूपी में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने उपचुनाव को लेकर अपनी तैयारी मजबूत करते हुए समाजवादी पार्टी ने चुनाव होने वाली 9 सीटों में से 6 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। सपा ने मिल्कीपुर में भी प्रत्याशी घोषित कर दिया था लेकिन मिल्कीपुर में चुनाव अब नहीं होगा। इसलिए अजीत प्रसाद का नाम हटा दिया जाए तो सपा के 6 उम्मीदवार मैदान में अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। कांग्रेस ने अभी तक यूपी में अभी किसी भी सीट पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा नहीं की है। माना जा रहा है कि महाराष्ट्र में सीटों के आधार पर ही सपा यूपी में सीट शेयरिंग के मामले में अपना रुख अपनाएगी। फिलहाल माना जा रहा है कि इंडिया गठबंधन की घटक दल समाजवादी पार्टी आठ और कांग्रेस दो सीट पर चुनाव लड़ेगी, कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से फूलपुर सीट की मांग की है लेकिन इस सीट पर समाजवादी पार्टी पहले ही उम्मीदवार उतार चुकी है। सूत्र बताते है कि इस सीट को लेकर प्रियंका गांधी ने भी इस बारे में अखिलेश यादव से बात की थी। अब इस मामले में कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडे समाजवादी पार्टी से बातचीत कर रहे हैं अखिलेश यादव ने कांग्रेस को गाजियाबाद सदर और अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीटें ऑफर की है। माना जा रहा है कि समाजवादी पार्टी के साथ जो रुख महाराष्ट्र में अपनाया जाएगा, अखिलेश यादव यूपी में भी उसी तरह की पारी खेलते हुए नजर आएंगे। कांग्रेस सपा को कॉन्फिडेंस में लेते हुए महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग करेगी तो यूपी में भी सपा कांग्रेस की बात मानेगी।

मिल्कीपुर उपचुनाव में जंग से पहले ही हार गई भाजपा : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने कहा, अब अपनी बदनामी से बचने के लिए कोर्ट और चुनाव आयोग का चक्कर लगा रही है भारतीय जनता पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मिल्कीपुर विधानसभा का उपचुनाव भाजपा के अपने ही सर्वे में वो हार रहे थे। इसीलिए पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) परिवार के सब बीएलओ और अधिकारी हटा दिए गए। सपा प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री जी कई बार मिल्कीपुर गए। प्रशासन के लोगों को बुलाकर राय-मशविरा किया, इंटेलिजेंस से रिपोर्ट ली, जब उनको पता लग गया कि इतने खेल खेलने के बाद वह चुनाव हार रहे हैं तो उन्होंने चुनाव टाल दिया।

सपा प्रमुख ने कहा कि जो जंग में नहीं आ पा रहे वो जंग से बाहर पहले हो गए। अब अपनी बदनामी से बचने के लिए कोर्ट और चुनाव आयोग का चक्कर लगा रहे हैं। दो दिन के अंदर वहां मिल्कीपुर उपचुनाव पर निर्णय नहीं हुआ तो यह टल जाएगा। हमारी भी अपील है कि कम से कम दो दिन के अंदर वो कोर्ट से रिट वापस ले लें।

महाराष्ट्र में जीत रहा इंडिया गठबंधन

महाराष्ट्र के आगामी चुनाव पर अखिलेश ने भरोसा जताया कि इंडिया गठबंधन जीत दर्ज करेगा। कहा कि गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ बातचीत कर मजबूत रणनीति बनाई जाएगी। वहीं, जम्मू-कश्मीर चुनाव पर कहा कि कश्मीरियों की पहली जीत हुई है और जल्द ही कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद है। सपा प्रमुख ने कहा कि महाराष्ट्र में हमारी कोशिश होगी कि INDIA गठबंधन के साथ लड़े। हमें उम्मीद है वो हमें सीटें ज्यादा देंगे और हम पूरी मजबूती के साथ INDIA गठबंधन के साथ खड़े होंगे।

'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यकाल समाप्ति की ओर'

जेपी एनआईसी को भव्य बनाने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा समाज में नफरत फैलाने में व्यस्त है। जिनका कार्यकाल 8 साल का रहा हो और जिन्होंने बुलडोजर चलाकर अन्याय कराया हो, वे जाते-जाते क्या नया करेंगे। मुख्यमंत्री का समय अब समाप्ति की ओर है।

शिवाजी की विरासत को कमजोर कर रही महायुति सरकार : कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने महायुति सरकार पर भारत के महान सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को कमजोर करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि जो लोग महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास और मेलजोल की संस्कृति को स्वीकार नहीं करते हैं, उन्हें अगले महीने इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि महायुति ने छत्रपति को भी अपनी जबरन वसूली और लूट से नहीं बख्शा, क्योंकि सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में उनकी 35 फीट ऊंची प्रतिमा इतने खराब तरीके से बनाई गई थी कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन करने के एक साल के भीतर ही गिर गई।

रमेश ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, महायुति सरकार महाराष्ट्र में भारत के एक महान सपूत की विरासत को कमजोर किया है। उन्होंने आगे कहा, सात साल पहले गैर-जैविक (नॉन-बायोलॉजिकल) प्रधानमंत्री ने मुंबई के पास अरब सागर में शिवाजी महाराज की 696 फीट ऊंची प्रतिमा की नींव रखी थी, जिसे बाद में उनकी सरकार ने चुपचाप छोड़ दिया। कांग्रेस नेता ने कहा, जुमलेबाजों ने खुद शिवाजी महाराज को जुमला देने की गुस्ताखी की है।

प्रियंका गांधी के खिलाफ सत्यन मोकेरी होंगे सीपीआई उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवंतपुरम। वायनाड में 13 नवंबर को लोकसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग होगी और 23 नवंबर को उपचुनाव के परिणाम आएंगे। इधर चुनाव आयोग की तरफ से चुनाव की तारीखों के एलान के बाद कांग्रेस पार्टी ने औपचारिक रूप से प्रियंका गांधी का नाम वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए प्रत्याशी के तौर पर घोषित कर दिया है। इधर सीपीआई ने भी वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी के नाम का एलान किया है।

सीपीआई राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने आगामी वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ पार्टी उम्मीदवार की जानकारी देते हुए बताया कि उनकी पार्टी ने उपचुनाव में सत्यन मोकेरी को मैदान में उतारने का फैसला किया है। बता दें कि सीपीआई नेता सत्यन मोकेरी ने 2014 में वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्हें इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सामने हार का सामना करना पड़ा था।

इस वजह से खाली हुई वायनाड सीट

बता दें कि इस साल की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, 2014 में वायनाड से सांसद बने, ने इस बार भी वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि उन्होंने इस बार उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से भी चुनाव लड़ा था। हालांकि राहुल गांधी ने इन दोनों सीटों पर जीत हासिल की थी। वहीं नियमों के अनुसार उन्हें एक लोकसभा सीट खाली करनी थी, जिसके बाद उन्होंने रायबरेली की लोकसभा सीट को अपने पास रखते हुए वायनाड लोकसभा सीट को खाली कर दिया था। जिसके बाद से वहां उपचुनाव कराया जाना जरूरी हो गया था।

विदेशी हैंडलर चला रहे खरगे का फेसबुक अकाउंट : भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। कर्नाटक भाजपा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे का सोशल मीडिया विदेशी हैंडलर प्रबंधित (मैनेज) कर रहे हैं। यह आरोप एक वेरिफाइड फेसबुक पेज को लेकर लगाया गया है। खरगे के बेटे प्रियांक ने इसे फर्जी बताते हुए खारिज कर दिया है। उन्होंने फेसबुक से इस पेज को हटाने का अनुरोध किया है।

राज्य भाजपा ने कहा, मल्लिकार्जुन खरगे वक्फ की जमीन हड़पने के मामले में चर्चा में हैं, अब वह विदेशी हैंडलर के नियंत्रण में हैं। हम हमेशा कांग्रेस की जाति-आधारित राजनीति में विदेशी प्रभाव के बारे में चेतावनी देते रहे हैं और यह इस बात को पुष्ट करता है। क्यों खरगे जी? इसने मल्लिकार्जुन खरगे के नाम से बने फेसबुज पेज के पेज इन्फोर्मेशन का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए आगे पूछा, आप अपने लोगों के बजाय विदेशी प्रबंधकों पर क्यों भरोसा कर रहे हैं? भारत ने आपको जो दिया है, उसके बाद यह विश्वासघात क्यों?

मल्लिकार्जुन खरगे के नाम वाले फेसबुक पेज की पेज इन्फोर्मेशन में लिखा है- इस पेज का प्रबंधन करने वाले लोगों का प्राथमिक देश/क्षेत्र स्थान नॉर्वे है। मल्लिकार्जुन खरगे राज्य सभा में विपक्ष के नेता भी हैं।

भाजपा के पोस्ट पर पलटवार करते हुए कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि भाजपा दावा करती है कि उनके पास भारत के इतिहास के सबसे प्रभावी गृह मंत्री (अमित शाह) हैं। लेकिन भाजपा यह तय नहीं कर पा रही है कि विपक्ष के नेता का खाता असली है या नहीं।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं भाजपा की आईटीसेल के निरंतर प्रयासों की सच्ची सराहना करता हूं। सिर्फ दो रुपये में उन्होंने कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ एक दुर्भावनापूर्ण सोशल मीडिया अभियान शुरू किया है। स्पष्ट कर दूं, खरगे के पास केवल दो आधिकारिक सोशल मीडिया खाते हैं। प्रियांक ने कांग्रेस अध्यक्ष के एक्स खाते और व्हाट्सएप चैनल का लिंक भी साझा किया।

उन्होंने आगे कहा, जरूरी राष्ट्रीय मुद्दों पर फोकस करने के बजाय भाजपा एक मृत फेसबुक पेज की जांच करने में लगी हुई है, जो 2020 से सक्रिय नहीं है और एक अज्ञात ईमेल से जुड़ा है। उन्होंने आगे कहा, चूंकि हमें नहीं पता कि इसके पीछे कौन है, इसलिए हमने आधिकारिक रूप से फेसबुक से इसे हटाने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, फेसबुक का ब्लू टिक भुगतान करके आसानी से हासिल किया जा सकता है।

ममता बनर्जी ने की मुख्य सचिव स्वास्थ्य सचिव के साथ बैठक

» अस्पतालों में बुनियादी ढांचों को बेहतर करने पर हुई चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने कालीघाट आवास पर मुख्य सचिव मनोज पंत और राज्य सुरक्षा सचिव एनएस निगम के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचों को बेहतर करने पर चर्चा हुई। एक सूत्र ने इसकी जानकारी दी। यह बैठक 45 मिनट तक चली, जिसमें सीएम ममता बनर्जी ने विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सुरक्षा बुनियादी ढांचों के बारे में पूछताछ की। इस बैठक के बाद मुख्य सचिव ने सभी सरकारी अस्पतालों के प्रिंसिपल और एएसवीपी की एक बैठक बुलाई। यह बैठक नबन्ना में राज्य सचिवालय में आयोजित की जाएगी।

सूत्र ने कहा, सीएम ने विभिन्न अस्पतालों में सुरक्षा के संबंध में बुनियादी ढांचों को विकसित करने के लिए किए जा रहे काम की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। उन्होंने राज्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव को कुछ निर्देश भी दिए। बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की घटना सामने आने के बाद से ही बवाल शुरू हुआ। जूनियर डॉक्टर मृतक के लिए न्याय की मांग करते हुए अनशन पर बैठे हैं। मृतक के लिए न्याय के अलावा उन्होंने राज्य स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम को पद से हटाने की भी मांग की है।

कुंदरकी : क्या सपा का वर्चस्व तोड़ पाएगी भाजपा?

2012 से यहां सरपट दौड़ रही साइकिल, फिलहाल भाजपा उपचुनाव में सपा की घेराबंदी करने में जुटी है

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पिछले 12 वर्षों से मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट पर सपा का दबदबा है। 2012 से मई 2024 तक हुए पांच चुनावों में सपा ने ही जीत दर्ज की है। 2019 में सपा की जीत का अंतर सबसे अधिक 64913 और सबसे कम 10821 वोट रहा। ऐसे में कुंदरकी सीट पर कायम सपा के वर्चस्व को तोड़ना भाजपा के लिए आसान नहीं होगा। फिलहाल भाजपा उपचुनाव में सपा की घेराबंदी करने में जुटी है। मुरादाबाद जिले की छह विधानसभा सीटों में देहात के बाद कुंदरकी सपा की सबसे मजबूत सीट मानी जाती है। चुनावों के नतीजे भी यही बताते हैं। जिले की यह सीट संभल लोकसभा क्षेत्र में आती है। पिछले 12 साल में पांच चुनाव हो चुके हैं। इसमें तीन बार विधानसभा और दो बार लोकसभा चुनाव शामिल है। इन पांचों चुनावों में कुंदरकी विधानसभा सीट पर सपा को जीत मिली है।

विधानसभा हो या फिर लोकसभा का चुनाव, दोनों में सपा का वर्चस्व कायम रहा है। इस सीट पर चुनाव दर चुनाव सपा की जीत का अंतर भी बढ़ता गया है। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव में कुंदरकी सीट पर सपा ने 17201वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

वहीं इस साल हुए लोकसभा चुनाव में कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में सपा को भाजपा उम्मीदवार से 57044 मत अधिक मिले थे। जियाउर्रहमान बर्क के सांसद बनने के बाद खाली हुई कुंदरकी सीट पर 32 महीने के भीतर दूसरी बार चुनाव होगा।

उपचुनाव में 13 नवंबर को कुंदरकी के मतदाताओं को फिर विधायक चुनने का मौका मिला है। लेकिन अभी तक न तो सपा ने प्रत्याशी घोषित किया और न ही भाजपा ने। हालांकि परदे के पीछे दोनों दल चुनाव की तैयारी में जुटे हैं।

चुनाव मैदान में भाजपा ने उतारी जनप्रतिनिधियों की फौज

कुंदरकी उपचुनाव में सपा के वर्चस्व को तोड़ने के लिए भाजपा ने मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों की फौज उतार दी है। उपचुनाव में कमल खिलाने की जिम्मेदारी क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश सरकार में मंत्री धर्मपाल सिंह, जेपीएस राठौर, जसवंत सैनी और गुलाब देवी को मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा शहर विधायक रितेश गुप्ता, एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, गोपाल अंजान और हरि सिंह ढिल्लों को पार्टी ने कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में मंडलवार दायित्व सौंपा गया है।

आज आएंगे राष्ट्रीय सचिव, अभी प्रभारी तय नहीं

कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव को लेकर सपा ने अभी किसी को चुनाव प्रभारी नहीं बनाया है। अभी जिलाध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं की अगुवाई की चुनाव की तैयारी चल रही है। बृहस्पतिवार को पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति मुरादाबाद आएंगे। वह कुंदरकी उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

लोकसभा व विधानसभा चुनावों कुंदरकी सीट पर भाजपा सपा की स्थिति

वर्ष	चुनाव	सपा	भाजपा	अंतर
2024	लोकसभा	143415	86371	57044
2022	विधानसभा	125792	82630	43162
2019	लोकसभा	151284	86371	64913
2017	विधानसभा	110561	99740	10821
2012	विधानसभा	81302	64101	17201

“पिछले चुनावों में नतीजे कुछ भी रहे हों, लेकिन इस बार कुंदरकी सीट पर भाजपा जीत का परचम लहराएगी। इसके लिए लगातार बूथ स्तर पर बैठकें की जा रही हैं। विधानसभा क्षेत्र में दूसरे जिलों के 150 से अधिक पदाधिकारी लगाए गए हैं। इसके अलावा मुरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, संभल के पूर्व जिलाध्यक्षों और महानगर के वरिष्ठ पदाधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है।
– आकाश पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष

“कुंदरकी सीट पर पार्टी चुनाव लड़ेगी। इसके लिए जोरशोर से तैयारी चल रही है। कार्यकर्ताओं को सेक्टरवार जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा की रणनीति पर नजर रखी जा रही है। भाजपा प्रत्याशी की घोषणा के बाद पार्टी अपने उम्मीदवार का एलान करेगी।
– जयवीर सिंह यादव, सपा जिलाध्यक्ष

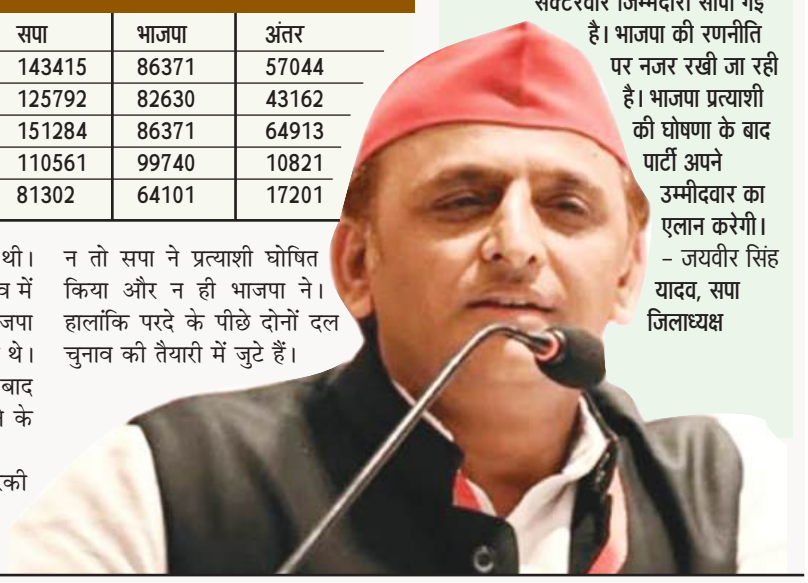

आह को, वाह कहने पर विवश भारतीय!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोशिशें भरपूर रही है कि देश के नागरिकों की जुबान पर ताला लगा कर रखा जाए परन्तु लोगों के ज़ेहन की उड़ान को कैद रखने में सरकारी महकमा कितना कामयाब रहा है ठीक से आकलन कर पाना संभव नही है। भूख की तपीश हर जगह तीखी हुई है पारा हमेशा चढ़ रहा है। संगीनों के साए में भूख की तीव्रता का खुलासा होने से दबाने के हर संभव प्रयास तो हुए ही हैं असंभव भी। भूख की पीड़ा लोगों को सरकार के खिलाफ़ विद्रोह के लिए मजबूर भी कर रही है परन्तु कहीं से भी बगावत की चिंगारी उठने में कामयाब नही हो पाई। 2014 के बाद सरकार के प्रबंधन कला ने वाकई कमाल ही कर दिया है। इनके रण कौशल की मिसाल अन्यत्र मिलना संभव ही नही है। मंहगाई बढ़ाने के लिए भी यह वंदे मातरम् का गीत गाते हैं।

वंदे मातरम् के रणभेरी से गूंजा बिगुल, मंहगाई रूपी इस अश्व को कौन रोकने की गुस्ताखी करेगा? यदि देश के किसी व्यक्ति ने इस अश्व को रोकने की चेष्टा की तो चक्रवर्ती सम्राट को दी गई चुनौती मानी जाएगी। चक्रवर्ती सम्राट की रणनीति के हिसाब से जो मंहगाई का विरोध करेगा वह देशद्रोही होगा। जिस मंहगाई से गरीब की आह! निकलती है, संगीन के सायों में उसे महंगाई के समर्थन में ताली बजाकर वाह! कहना पड़ रहा है।

देश की वित्त मंत्री द्वारा प्रत्येक महीने डाटा प्रस्तुत करते हुए गौरांवित रूप से दावा प्रकट किया जाता है कि पिछले महीने की तुलना में इस महीने अधिक जीएसटी संग्रह हुआ है। कभी खुलासा नही किया जाता है कि इस जीएसटी की वजह से कितने गरीब परिवार ऐसे हैं जिन्हें भूखे पेट सोने पर विवश होना पड़ा है। माना 80 करोड़ लोगों को हर महीने 5 किग्रा राशन मुफ्त वितरित किया जा रहा है, इस मुफ्त का ढोल भी खूब पीटा जाता है। ढोल पीटने का पैसा भी हमीं से वसूला जाता है। यानि जो महंगाई का चाबुक मेरी पीठ पर सटाक सटाक मारा जा रहा है वह भी हमारी ही चमड़ी उधेड़ कर बनाया गया है। पांच किलो राशन और छः हज़ार रुपए प्रति वर्ष किसान सम्मान निधि का कितना खामियाजा देश के नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है क्या कभी आपने अंदाजा लगाया? 10-15 किलो मिलने वाला आलू 40 में खरीदना पड़ रहा है। 65/किग्रा मिलनी वाली दाल 200/ द्यद् खरीदने पर विवश होना पड़ा है। 2014 के बाद हमें सभी खाद्य पदार्थों का या तो दोगुना या फिर तिगुना दाम चुकाना पड़ा है। यह यथार्थ स्वीकारने में अब बिल्कुल संकोच नही हो रहा है कि देश को नागरिकों को मूक बधिर बना कर रखने का जो कार्य डलहौजी नही कर पाया था उसी काम को हमारे हुक्कामों ने बड़ी ही आसानी से कर दिखाया है। जनता की सरकार, जनता के हितों की सरकार और जनता द्वारा चुनी गई सरकार, यही अर्थ है न लोकतंत्र का, हकीकत क्या है? क्या वाकई सरकार जनता के हितों के प्रति सजग है? हमारे देश के नागरिकों को अभी तक धार्मिक तौर पर स्वर्ग में स्थान दिलाने के सब्जबाग दिखाने की मनोवृत्ति रही है। अभी भी इसका अस्तित्व जड़वत है कोई भी फेर बदल नही हुआ बल्कि पाखण्ड की जड़े सूखने के बरक्स और गहरी और पुष्ट होती जा रही है। धर्म के नाम पर धंधेबाजों की दुकानें दिन प्रति दिन उन्नति के नए प्रतिमान गढ़ रही हैं। बड़ा ही अनुपम और अतुलनीय व्यवसाय है यह, बिना निवेश के ही यह धंधा किसी अलौकिक शक्ति के भय और कृपा पर चल निकलता है। लोगों की नासमझी का आलम यह है कि उज्ज्वल भविष्य की प्रत्याशा में वर्तमान को अपने पैर तले रौंद रहे हैं। पुनर्जन्म सुधारने की लालसा में वर्तमान की पूंजी को खग के हाथों में स्वेच्छा से सौंप देना जाहिर तौर पर स्वस्थ मनोदशा को तो प्रमाणित नही करती है। 2014 के बाद भारतीय राजनीति ने यकीनन नए भारत का निर्माण किया है, जहां बेरोजगारी कोई मुद्दा नहीं, आम आदमी के पहुंच से दूर होती शिक्षा पर कोई रंज नहीं, बेतहाशा आकाश चूमने को व्यग्र महंगाई पर कहीं से भी रोष के स्वर नहीं फूट रहे हैं। कमाल तो यह है कि अब लोगों को सरकार से किसी तरह की शिकायत भी नहीं। विरोध के लिए लोगों की सोशल मीडिया की सक्रियता को नकारना अन्याय होगा। निरंकुश शासक सोशल मीडिया नहीं सड़कों पर होने वाले प्रदर्शन से डरता है। विरोध का स्वर निष्क्रिय नहीं अपितु सक्रिय होना चाहिए। वीरान सड़के संसद को आवारा बना देती है। लोकतंत्र में जब विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका एक साथ घुल मिल जाती है तब देश की जनता को दो पाटन के बीच पिसने पर मजबूर होना पड़ता है। जरूरत है, सरकार को आईना दिखाने की।

भारतीय राजनीति ने 2014 से त्याग के नए आयाम प्रतिपादित किए

जनता की सरकार की उपलब्धियों पर विश्लेषण केंद्रित करना ही ध्येय है। लोकतंत्र के देश में लोक कल्याणकारी योजनाओं को अंगीकार करना सरकार की प्राथमिकता भी है और नैतिक जिम्मेदारी भी। विवेचना के दायरे में एक दशक के कार्यकाल को ही समाहित करना समीचीन होगा। अधिक समय को सम्मिलित करने से संवीक्षा को न तो सारगर्भित रख पाना संभव होगा और न ही पब्लिक मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना उचित। फलतः 2014 से हुए भारत के विकास की एक समीक्षा प्रस्तुत करते हैं। इस कार्यकाल में धर्म के दिवास्वप्न और लोक कल्याणकारी योजनाओं में साम्यता प्रदान की गई है।

भारतीय राजनीति ने 2014 से त्याग के नए आयाम प्रतिपादित किए हैं। इससे पहले 50 रुपये टमाटर का मूल्य पहुंचते ही हाय तौबा मच जाती थी अब 100 रुपये के दाम भी रास आने लगे हैं। अब प्रश्न यह उठता है कि नागरिकों में त्याग करने का इतना सामर्थ्य आया कहां से? वर्तमान राजनीति ने बेरोजगार युवाओं का बहुत बड़े पैमाने पर बखूबी इस्तेमाल किया है। उन्हें मंत्र दिया, हिन्दू खतरे में है तुम्हें हिन्दुओं की रक्षा के लिए रात दिन प्रचार करना है कि सारे हिन्दू एक हो जाओ। इस कालखंड है हिन्दू अस्मिता की रक्षा को रोजगार से जोड़ दिया गया है। लहसुन 70 रुपये के दाम पर उछलते ही बढ़ती महंगाई के विरोध में धरने प्रदर्शन होने लगते थे। परन्तु अब 400 रुपये के आसमान की ऊंचाई छूती कीमतों पर भी किसी की हाय नहीं निकल रही है। मंहगाई निरन्तर उन्नति के पथ पर अग्रसर है,अतुलनीय उपलब्धि के लिए सरकार निस्संदेह बधाई की हकदार है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नाच न आवे आंगन टेढ़ा

पंचतंत्र की कहानियां बच्चों के लिए नैतिक कहानियों का एक शानदार संग्रह है जो सभी उम्र के बच्चों को मंत्रमुग्ध करने के साथ-साथ शिक्षित भी करती हैं। पंचतंत्र की कहानियों की खासियत ये है कि इसकी सभी दंतकथाएँ जानवरों पर आधारित हैं जो इंसानों की तरह बोलते और व्यवहार करते हैं। कहा जाता है कि पंचतंत्र की कहानियों की रचना एक राजा के नासमझ बेटों को ज्ञान देने के लिये की गई थीं। एक बंदर एक पेड़ पर रहता था जिस पर स्वादिष्ट जामुन (भारतीय ब्लैकबेरी) फल लगते थे। एक दिन एक मगरमच्छ आराम करने के लिए पेड़ के पास आया और बंदर ने उसे जामुन दिए। मगरमच्छ को जामुन बहुत पसंद आए और जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। वे अक्सर पेड़ के नीचे मिलते, बातें करते और जामुन खाते। इसी तरह आपने दो बिल्ली और एक बंदर की कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक रोटी को आपस में बांटने की लड़ाई में एक बंदर ने सुझाया था कि वह उनको रोटी बराबर-बराबर बांट कर दे देगा।पर वह कूटनीति से पूरी रोटी का स्वयं ही मालिक हो गया। कहानी ने संदेश दिया था कि दो बिल्लियों की लड़ाई में बंदर को फायदा मिलना सहज है। इस बार हरियाणा के चुनावों में यह कहानी सबको याद आ रही है।

'नाच न जाने आंगन टेढ़ा' कहावत का सार भी चुनाव खत्म होने पर हर बार याद आता है। यानी नाचना ठीक से खुद को नहीं आता और कमी निकालने लगते हैं कि आंगन ही उबड़-खाबड़ है। एक अकुशल कारीगर हमेशा अपने औजारों के सिर ही अपनी असफलता का ठीकरा फोड़ता आया है। इन चुनावों में भी यही हुआ। हारने वालों ने बेचारी ईवीएम के सिर पर इल्जामों का गट्ठर टिका दिया और ईवीएम मशीनें नेताओं की बेचारगी पर टुकुर-टुकुर मुस्कराने लगीं। वहीं एकाध ने तो चीख कर पूछ भी लिया होगा कि जहां तुम्हें बहुमत मिला है, वहां क्यों नहीं कहते कि हमारी जीत गलत है? ऐसे में परंपरा तो यह थी कि हारो या जीतो, चुनाव के बाद जनता को थैंक यू कहा जाये पर वह रस्म अब पानी भरने जा चुकी। चुनावों के बाद अब तो सवाल दागे जाते हैं कि मेरे खाते के वोट इधर से उधर हुए तो कैसे हुए? लेकिन इन नेता नगरी को कैसे बताया जाए कि ये कोई बैंक का खाता तो है नहीं कि जितने भी काले-पीले पैसे हम जमा करवायेंगे, हमेशा हमारे ही रहेंगे। वोट तो वो धन है जो खिसकने में क्षण भी नहीं लगाता। जैसे ही नेताओं में अहंकार, भ्रष्टाचार या अन्य विकार दिखाई देता है, वोट मिल्खा सिंह की स्पीड से भागने लगते हैं। एक सेना के योद्धा यदि आपस में ही टकरायेंगे और राह का कांटा समझकर निकालने का दुस्साहस करेंगे तो सामने वाला उनकी कीकर जड़ से उखाड़ फेंकने में देरी क्यूं करेगा। कहा जाता है कि प्राचीन काल में भी कई बार हाथी अपनी ही सेना को रौंद दिया करते। इस बार भी कुछ ऐसा ही उदाहरण देखने को मिला है।

"एक अकुशल कारीगर हमेशा अपने औजारों के सिर ही अपनी असफलता का ठीकरा फोड़ता आया है। इन चुनावों में भी यही हुआ। हारने वालों ने बेचारी ईवीएम के सिर पर इल्जामों का गट्ठर टिका दिया और ईवीएम मशीनें नेताओं की बेचारगी पर टुकुर-टुकुर मुस्कराने लगीं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मनुष्यता की पराजय का दंश न झेले देश

विश्वनाथ सचदेव

उत्तर प्रदेश के बहराइच में जो कुछ हुआ और हो रहा है वह कोई नई बात नहीं लग रही। सांप्रदायिकता की आग को हवा देकर मनुष्य को मनुष्य से दूर करने का 'खेल' हमारी राजनीति का आजमाया हुआ हथियार रहा है। आजादी से पहले और आजादी प्राप्त करने के बाद भी अक्सर हमारे यहां धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम राजनीतिक ताकतें करती रही हैं। यह खतरनाक 'खेला' कितना राजनीतिक लाभ देता है या दे सकता है, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। सच तो यह है कि सांप्रदायिकता और जातीयता के नाम पर वोटों की राजनीति सब कर रहे हैं। क्या यह सच्चाई नहीं है कि हमारे राजनीतिक दल उम्मीदवारों के चयन का आधार 'जीतने की संभावना' को बताकर जातीयता या धर्म का ही सहारा लेते हैं। कौन-सा दल ऐसा है जो अपना उम्मीदवार तय करने के लिए यह नहीं देखता कि क्षेत्र विशेष में किस जाति या धर्म के लोग अधिक प्रभावशाली हैं? यह एक पीड़ादायक सच्चाई है कि विविधता में अपनी ताकत देखने वाला हमारा देश धर्म, जाति, भाषा, क्षेत्रीयता आदि के आधार पर भीतर ही भीतर लगातार बंटता जा रहा है? हमारे राजनेता कुछ भी कहें, पर राजनीतिक नफे-नुकसान का गणित अक्सर इन्हीं आधारों पर तय होता है। यह एक शर्मनाक सच्चाई है। पर कितनों को शर्म आती है इस सच्चाई पर?

सच तो यह है कि हम इस सच्चाई से रूबरू होना ही नहीं चाहते। यदि ऐसा न होता तो कभी तो हम अपने राजनेताओं से पूछते कि उनकी कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है? क्यों अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए वे धर्म या जाति के नाम पर बंटने के खतरों को समझना नहीं चाहते? आज भाजपा वाले कांग्रेस पर यह आरोप लगाते नहीं थकते कि वह तुष्टिकरण की राजनीति करती रही है, अब भी कर रही है, और दूसरी ही सांस में उनकी सरकारें एक तरफ बहुसंख्यकों को रिझाने में लगी दिखती हैं और दूसरी ओर अल्पसंख्यकों पर डोरे डालती! उत्तर प्रदेश में मदरसों की राजनीति का खेल हम अरसे से देखते चले आ रहे हैं। 'मदरसों की राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों' का हवाला देने से न थकने वाले जब महाराष्ट्र में चुनाव के मद्देनजर मौलवियों का वेतन बढ़ाते दिखते हैं, हां राजनीति का दोमुंहापन छिपाये नहीं छिपता। सवाल मौलवियों को उचित वेतन मिलने का नहीं है। सबको उनका उचित देय मिलना ही चाहिए, पर जब दूसरे द्वारा किया कोई काम 'रेवड़ी बांटना' लगे और स्वयं वही काम करना 'न्याय देना' तो इसे

एक राजनीतिक विद्रूप के अलावा और क्या कहा जाएगा? हाल ही में एक मुकदमे की सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने यह आशा व्यक्त की थी कि धर्म को राजनीति से दूर रखा जायेगा। पर देश ने यह आशा कब नहीं की थी? और कब उसकी यह आशा पूरी हुई? जब बड़े-बड़े राजनेता चुनावी सभाओं में कपड़ों के आधार पर लोगों को पहचानने की बात करते हैं, मंगलसूत्र छीनने का हवाला देते हैं, मंदिर-मस्जिद के नाम पर राजनीति करते हैं, तो सवाल उठाना ही चाहिए कि यह सब कहने का अधिकार और अवसर उन्हें क्यों दिया जाये? जब हमने आज़ादी पायी थी तो अपने लिए धर्मनिरपेक्षता का रास्ता चुना था। आज भी कुल मिलाकर देश की जनता सर्वधर्म समभाव के आदर्श में ही विश्वास करती है लेकिन, आज भी कुछ लोग हैं हमारे देश में जो बंटवारे के समय रह गए कथित काम को अब पूरा करने की दुहाई दे रहे हैं! क्या अर्थ है इसका? आखिर वे चाहते क्या हैं? और क्यों ऐसी बात कहने वालों को बेनकाब नहीं किया जाता? बहुसंख्यकों को एकजुट होने के समय का हवाला देने वालों को यह क्यों नहीं पूछा जाना चाहिए कि विश्वास, भगवान और राजनीति के बीच रेखाएं क्यों मिटायी जा रही हैं?

जीवन में विश्वास और धर्म का अपना स्थान है। इन्हें राजनीतिक नफे-नुकसान के तराजू पर नहीं तोला जाना चाहिए। पर दुर्भाग्य से ऐसा करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। और यह काम बिना किसी हिचकिचाहट के हो रहा है! कहीं कोई मुख्यमंत्री अपने राज्य में मंदिरों के विकास का आश्वासन दे रहा है तो कहीं चुनावी सभाओं में बड़े राजनेता धार्मिक नारे लगवाना ज़रूरी समझने लगे हैं। हद तो तब हो जाती है जब 'ईश्वर-अल्लाह तेरा नाम' कहना भी किसी राजनेता को खटकने लगता है! उनकी शिकायत यह है कि राष्ट्रपिता बापू के प्रिय भजन के यह शब्द तो मूल भजन में थे ही नहीं! इसे बीमार मानसिकता के अलावा और क्या संज्ञा दी जा सकती है? यह देश 140 करोड़ भारतीयों का है, हम सबका है। इसकी पहचान को किसी धर्म विशेष के नाम से जोड़े जाने की कतई आवश्यकता नहीं है। हम किसी भी धर्म को मानने वाले क्यों न हों, मूलतः हम सब भारतीय हैं। हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हम सब धर्मों को आदर की दृष्टि से देखते हैं। ईश्वर एक है, धर्म उस तक पहुंचने का मार्ग है। मार्ग भले ही अलग-अलग हों, पर सब पहुंचाते एक ही लक्ष्य पर हैं। महात्मा गांधी जब 'सबको सन्मति दे भगवान' वाली बात कहते थे तो मनुष्य मात्र के कल्याण का सोच था इसके पीछे। सर्वे भवंतु सुखिनः वाले आदर्श में विश्वास करने वाली चेतना वाले देश में जब कोई राजनेता 'अंजाम बुरा होगा' या 'ज़ुबान काट ली जायेगी' जैसी बातें कहता है तो यह सवाल भी मन में उठता है कि ऐसी बातों को हम सहते क्यों हैं?

एग्जिट पोल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की चुनौती

प्रमोद भार्गव

निर्वाचन आयोग ने 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र और 81 विधानसभा सीटों वाले झारखंड में चुनाव की घोषणा की है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में मतदान होगा, जबकि झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। साथ ही, 15 राज्यों की 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे, जिनके नतीजे उसी दिन आएंगे। केरल की वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस ने प्रियंका वाड्रा को उम्मीदवार घोषित किया है, यह सीट राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इसी क्रम में उल्लेखनीय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने मीडिया से एग्जिट पोल पर जिम्मेदारी से काम करने का आह्वान किया और ईवीएम को मतदान के लिए सुरक्षित बताया है।

दरअसल, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से ही ईवीएम पर सवाल उठने लगे थे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 'एग्जिट पोल' का कोई अर्थ नहीं है। हाल के चुनावों में जो रुझान टीवी चैनलों में दिए गए वे आधारहीन थे। जब आयोग की वेबसाइट पर साढ़े 9 बजे पहला रुझान दिया जाता है तो फिर टीवी चैनल मतगणना शुरू होने के 10-15 मिनट में कैसे रुझान शुरू कर सकते हैं? असल में, चैनल रुझान दिखाकर सिर्फ अपना एग्जिट पोल सही ठहराने का प्रयास करते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल अनुमानों के विपरीत निकले। इधर, हाल ही में जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में हुए विधानसभा चुनाव के अनुमान भी उल्टे पड़े। जो हरियाणा में कांग्रेस की भारी बहुमत से जीत दिखा रहे थे, लेकिन भाजपा ने 49 सीटें जीत बहुमत हासिल कर लिया। विपक्ष ने एग्जिट पोल के आधार पर ईवीएम के जरिये सवाल खड़े कर दिए। ऐसे में अकसर आरोप लगते हैं कि विपक्ष वहां तो हल्ला करता है, जहां उसकी हार हो, लेकिन वहां शांत रहता है, जहां से उसे जीत मिलती है।

लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने सात चरणों में अपने मत दिए। हालांकि, 2019 की तुलना में मतदान कम रहा। चुनावी विश्लेषक कम मतदान को सत्तारूढ़ दल के विरोध में मतदाता की भावना के रूप में देखते हैं, और यही आधार एग्जिट पोल के अनुमानों का भी होता है। मतदान के बाद एग्जिट पोल सर्वेक्षणों ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मोदी-शाह की जोड़ी रणनीतिक सफलता हासिल करने जा रही है। एग्जिट पोल अनुमानों में व्यक्त किया गया कि मोदी की आक्रामक शैली ने समुदाय विशेष के मतदाताओं को पूरे देश में ध्रुवीकृत करने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल चुनाव के दौरान एक अन्य समुदाय विशेष की तुष्टिकरण की राजनीति करते रहे। मसलन, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में पिछड़े वर्ग के आरक्षण में मुसलमानों को शामिल करने का कदम। मोदी ने इस मुद्दे को उठाकर न केवल इन राज्यों में, बल्कि पूरे देश में पिछड़े और अतिपिछड़े वर्ग के मतदाताओं को उनके हकों के प्रति जागरूक किया। नतीजतन, इस वर्ग के मतदाताओं ने राजग को भरपूर वोट दिए। कहा गया कि पीएम मोदी ने इस मुद्दे का लाभ बंगाल में भी उठाया।

इसी का परिणाम है कि 2019 में मिलीं 18 सीटों की तुलना में भाजपा को यहां 21 से 28 सीटें मिलने तक का अनुमान बताया था। राम मंदिर, अनुच्छेद 370 और तीन तलाक जैसे मुद्दों ने सभी वर्ग के मतदाताओं को लुभाया है। एग्जिट पोल अनुमानों में कहा गया कि लाडली बहना, मुफ्त राशन, मुफ्त आवास, आयुष्मान योजना जैसी योजनाओं से मिले लाभ के चलते ग्रामीण मतदाता राजग के पक्ष में दिखाई दिया है। स्त्री मतदाता मोदी को चुनने में आगे दिखाई दे रही हैं। परंतु परिणाम आने के बाद मीडिया की ये मुनादियां गलत साबित हुईं। वर्ष 2019 की तुलना में वोटिंग कम रहने के बावजूद औसत मतदान 62 प्रतिशत से ऊपर रहा था। ये सर्वे यदि 4 जून को आने वाले वास्तविक नतीजों पर खरे उतरते तो राजग गठबंधन स्पष्ट बहुमत में आ जाता। यही नहीं, ऐसा होता तो लोकसभा में बहुमत के लिए राजग को सहयोगियों की जरूरत नहीं पड़ती। ये अनुमान जता रहे थे कि दलित, वंचित और वनवासी मतदाताओं का जातिगत मतदान से मोहभंग हो रहा है और वे क्षेत्रीय संकीर्णता से मुक्त हो रहे हैं। एग्जिट पोल के चुनावी विशेषज्ञ बता रहे थे कि धर्मनिरपेक्षता के पैरोकारों पर सनातन-सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हावी रहा है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल के प्रमुखों की ओर से रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का आमंत्रण ठुकराने का असर भी मतदाता पर पड़ा है। लगता है, अब छद्म धर्मनिरपेक्षता का आवरण टूट रहा है।

केवल बंगाल में ममता बनर्जी मुस्लिम मतदाताओं के तुष्टिकरण के लिए इसका सहारा ले रही हैं। गौरतलब है कि इस बार भाजपा ने बंगाल को केंद्रित करके हमलावर रणनीति अपनाई है। नतीजतन, कभी वामपंथी रहे लोग अब भाजपा में शामिल होकर उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। यह भी कि ऐसे लोगों ने जहां भाजपा को मजबूती दी है, वहीं कम्युनिस्टों के इस गढ़ को बिल्कुल कमजोर करने का काम भी किया है। एग्जिट पोल के जानकारों का कहना था-एक बार फिर यह मिथक बनता दिखाई दे रहा है कि उत्तर प्रदेश की राजनीतिक जमीन से ही प्रधानमंत्री का पद सृजित होगा। इसी मिथक को पुनर्स्थापित करने के लिए मोदी बनारस से चुनाव लड़े हैं। मोदी की यहां आमद ने पूरे पूर्वांचल को भगवा रंग में रंग दिया है। नतीजतन, भाजपा यहां सर्वेक्षणों के अनुसार अच्छी स्थिति में है।

घर पर ही बनाएं वड़ा पाव

अक्टूबर का महीना चल रहा है। इस महीने में ठंडक दस्तक देने लगती है। इस मौसम में हर किसी का चटाकेदार चीजें खाने का मन तो करता ही है। खासतौर पर इस मौसम में स्ट्रीटफूड खाने का अपना अलग ही स्वाद होता है लेकिन कई बार इस मौसम में बाहर की चीजें काफी नुकसान पहुंचा देती हैं। ज्यादातर लोग इस मौसम में स्ट्रीट पर मिलने वाले पकवान खाना पसंद करते हैं। इनमें समौसे, पकौड़े, आलू टिक्की और वड़ा पाव मुख्य रूप से लोगों के दिलों पर राज करती हैं। बाहर मिलने वाले पकवानों को खाकर तबियत बिगड़ने के डर से कई बार लोग बाहर खाने से कतराते हैं। ऐसे में आप चाहें तो इन सब चीजों को अपने घर पर बना सकती हैं। अगर आपको वड़ा पाव पसंद है तो आप इसे घर पर भी आसानी से तैयार कर सकती हैं।

सामग्री

3-4 मध्यम आकार के आलू, 1/2 चम्मच राई, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 1/2 चम्मच अमचूर पाउडर, 1/2 चम्मच जीरा, 1 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 2-3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), कुछ करी पत्ते, नमक स्वादानुसार, तेल। बैटर के लिए 1 कप बेसन, 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर, 1/4 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चुटकी हींग, नमक स्वादानुसार। हरी चटनी, लहसुन की चटनी, मीठी इमली की चटनी।

विधि

वड़ा बनाने के लिए आपको सबसे आलुओं को उबालकर ठंडा कर लें। इसके बाद एक कड़ाही में थोड़ा तेल गर्म करें। अब उसमें राई, जीरा और करी पत्ते डालें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह से भून लें। अब इसमें हल्दी पाउडर, गरम मसाला, अमचूर पाउडर और नमक डालें फिर अच्छी तरह मिलाएं। आखिर में इसमें उबले हुए आलुओं को डालकर मसालों में अच्छी तरह से मिक्स करें। अब मिश्रण को ठंडा होने दें और इससे वड़ा बनाएं। इसके बाद अब आपको बेसन का बैटर तैयार करना है, जिसमें वड़ा डालकर कोट किया जाएगा। बैटर तैयार करने के लिए एक बाउल में बेसन, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, हींग और नमक डालें। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा बैटर तैयार करें। बैटर ज्यादा पतला या ज्यादा गाढ़ा नहीं होना चाहिए। अब वड़ा फाई करने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में तेल को गरम करें। इसके बाद आलू की बॉल्स को बैटर में डुबोएं और गर्म तेल में गोल्डन ब्राउन होने तक तलें। तले हुए वड़े को टिशू पेपर पर निकालें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। सबसे आखिर में बारी आती है वड़ा पाव तैयार करने की। इसके लिए पाव को बीच से काटें और उसमें दोनों तरफ हरी चटनी, लहसुन की चटनी और मीठी चटनी लगाएं। अब तला हुए वड़े को पाव के बीच में रखें। अब इसे गर्म-गर्म ही परोसें। आप इसके साथ तली हुई हरी मिर्च भी परोस सकते हैं।

घर में बनाएं बिना तंदूर के नान रोटी

सही रेसिपी को अपनाकर रेस्टोरेंट जैसा खाना आप घर पर आसानी से बना लेते हैं। दाल मखनी हो, पनीर हो व अन्य कोई सब्जी का स्वाद एकदम बाहर के खाने जैसा लाया जा सकता है। इसके लिए आपको बाहर से खाना ऑर्डर करने या रेस्टोरेंट जाने की जरूरत नहीं होती लेकिन जब बात रोटी की आती है तो अधिकतर घरों में तवा रोटी ही बनती हैं। कई घरों में बाजार जैसी नान या तंदूरी रोटी नहीं बन पाती। दरअसल, नान रोटी को तंदूर में ही पकाया जाता है। लोगों को लगता है कि नान या तंदूरी रोटी बनाने के लिए तंदूर की जरूरत होती है, जो आम घरों में नहीं होता। लेकिन अगर आप नान खाने का शौक रखते हैं और घर पर ही नान रोटी बनाना चाहते हैं तो बिना तंदूर के भी बना सकते हैं। घर पर तंदूरी नान बनाना आसान है। अगर आप बिना तंदूर के नान रोटी बनाना चाहते हैं तो यहां आपको आसान तरीका बताया जा रहा है। खास बात ये है कि घर पर बिना तंदूर नान रोटी बनाने के लिए आपको खमीर उठाने की भी जरूरत नहीं है।

सामग्री

मैदा, बेकिंग सोडा, नमक, पिसी चीनी, फेंटा हुआ दही, तेल, गर्म पानी, बारीक कटा लहसुन, बारीक कटा हरा धनिया, मक्खन।

तरीका

घर पर नान रोटी बनाने के लिए एक कटोरे में मैदे, चुटकी भर नमक और पीसी चीनी मिला लें। अब इसमें दही और बेकिंग सोडा मिलाकर दो मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में मैदा में तेल और हल्का गर्म पानी मिलाकर आटे को नरम गूंथ लें। कटोरे में हल्का तेल डालकर आटे को फिर से गूंथ लें। इसे 10 मिनट के लिए रख दें। अब आटे की छोटी छोटी लोइयां बना लें। फिर लंबा लंबा बेलकर इस पर बारीक कटा लहसुन और हरा धनिया छिड़ककर फैला लें। अब नान को पलटकर दूसरी तरफ हल्का पानी लगाकर उंगलियों से थपथपाएं। गैस पर कढ़ाई को उल्टा करके गर्म करें और उसमें नान को ऐसे लगाएं कि वह चिपक जाए। नान को आधा ढककर पकाएं, जब नान में बबल बनने लगें तो इसे पलटकर पका लें। आपकी तंदूरी नान तैयार है, प्लेट में रखकर मक्खन लगाकर सर्व करें।

हंसना मना है

1 सेठ सेठानी में बहस हो गई कि उनके 1 मात्र लड़के के लिये गांव की बहू लाऐं या शहर की! सेठानी-गांव की लाऐंगे.. क्योंकि वह घर का काम करेगी! सेठजी-वे गंवार होती हैं.. उन्हे शहर के तौर-तरीके नही आते हैं! आखिर सेठानी कि जिद पर 1 गांव पहुंचे.. सेठजी-बेटी जरा मैंगो शेक ले आओ.. ! लड़की रसोईघर में गई.. 4 आम लिये.. तवे पर सेका.. मसाला डाला और प्लेट में मैंगो सेक कर ले आई..! सेठ सेठानी इस मैंगो शेक को देखते ही रह गए.. अब सेठजी के कहने पर शहर में लड़की देखने गये.. ! सेठानी -बेटी जरा पापड़ सेक लाओ.. ! लड़की किचन में गई.. 4 पापड़ लिए.. मिक्सर में डाले.. पानी मिलाया और गिलास में भर कर ले आई.. और बोली-लीजिये पापड़ शेक! छोरा अभी भी कुंवारा ही है.. कोई नजर में हो तो बताना?

मस्त जिंदगी किसे कहते हैं? खाने को रोज़ थाली हो दो टाइम की कामवाली हो, पड़ोसन नखरे वाली हो, सुन्दर सी 1 साली हो और घरवाली का दिमाग खाली हो?

कहानी — सबसे ज्यादा खुश पक्षी कौन?

एक कौआ अपनी जिंदगी से बहुत खुश और संतुष्ट था। एक बार वह एक तालाब पर पानी पीने रुका। वहां पर उसने सफ़ेद रंग के पक्षी हंस को देखा। उसने सोचा मैं बहुत काला हूं और हंस इतना सुन्दर इसलिए शायद हंस इस दुनिया का सबसे खुश पक्षी होगा। कौआ हंस से बोला कि तुम दुनिया के सबसे खुश प्राणी हो। हंस बोला मैं भी यही सोचा करता था जब तक कि मैंने तोते को न देखा था। मुझे लगता है कि तोता ही दुनिया का सबसे खुश पक्षी है क्योंकि तोते के दो खुबसूरत रंग होते है इसलिए वही दुनिया का सबसे खुश पक्षी होना चाहिए। कौआ तोते के पास गया और बोला कि तुम ही इस दुनिया के सबसे खुश पक्षी हो। तोता ने कहा कि मैं पहले बहुत खुश था और सोचा करता था कि मैं ही दुनिया का सबसे खुबसूरत पक्षी हूं। लेकिन जब से मैंने मोर को देखा है, मुझे लगता है कि वो ही दुनिया का सबसे खुश पक्षी है क्योंकि उसके कई तरह के रंग है और वह मुझसे भी खुबसूरत है। कौआ चिड़ियाघर में मोर को देखा कि सैकड़ों लोग उसे देखने आए है। कौआ मोर से बोला कि तुम दुनिया के सबसे सुन्दर पक्षी हो और हजारों लोग तुम्हे देखने के लिए आते है। मोर ने कहा कि मैं हमेशा सोचता था कि मैं दुनिया का सबसे खुबसूरत और खुश पक्षी हूं लेकिन मेरी खूबसूरती के कारण मुझे यहां पिंजरे में कैद कर लिया गया है। मैं खुश नहीं हूं और मैं यह चाहता हूं कि काश मैं भी कौआ होता तो मैं आज आसमान में आजाद उड़ता। चिड़ियाघर में आने के बाद मुझे यही लगता है कि कौआ ही सबसे खुश पक्षी होता है।

शिक्षा- हम लोगों की जिंदगी भी कुछ ऐसी ही हो गयी है। हम अपनी तुलना दूसरों से करते रहते है और हमें लगता है, कि वो शायद हम से अधिक खुश है। इस कारण हम दु:खी हो जाते है। हम उन वस्तुओं का भी आनन्द नहीं ले पाते जो हमारे पास पहले से हैं। जो नहीं है उसके पीछे भागते रहते है। इसी चक्कर में समय निकलता जाता है और बाद में आकर हम सोचते हैं कि पहले हम अधिक खुश थे। दुनिया में हर व्यक्ति के पास कुछ वस्तुएं अधिक और कुछ कम होगी इसलिए दुनिया में सबसे खुश वही जो अपने आप से संतुष्ट है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें।

वृषभ

कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मिथुन

धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें।

कर्क

बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

सिंह

कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या

रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

तुला

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है।

धनु

जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रमाद न करें।

मकर

किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। प्रमाद न करें।

कुम्भ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

मीन

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

मुश्किल दौर से गुजर रहा खान परिवार: अरबाज

महाराष्ट्र के पूर्व मिनिस्टर बाबा सिद्दीकी के लिए अच्छा नहीं रहा। सरेआम इनकी हत्या कर दी गई। इसके बाद से सलमान खान की जान को खतरा है। भाईजान की सिक्योरिटी भी बढ़ा दी गई है। कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई की ओर से इन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। साल 1998 में सलमान के हाथों एक हिरण की हत्या हो गई थी, जिसके बाद से ही लॉरेंस उनसे बदला लेना चाहते हैं। सलमान खान के भाई अरबाज खान ने बताया कि किस तरह पूरा परिवार बाबा सिद्दीकी की मौत के बाद से टूट सा गया है। बाबा सिद्दीकी, खान परिवार के बेहद करीब थे। सिर्फ इतना ही नहीं, वो बांद्रा इलाके के लीडर भी थे, जहां खान परिवार सालों से रह रहा है। सलमान खान की सिक्योरिटी बढ़ने और जान से मारने की धमकी के सवाल को इग्नोर करते हुए अरबाज ने बताया कि परिवार किस तरह के मुश्किल दौर से इस समय गुजर रहा है। सलमान खान और उनका परिवार एक्टर के पॉपुलर होने का नुकसान भुगत रहा है, इसके बारे में जब चर्चा करने की कोशिश की तो अरबाज ने फिर एक बार सवाल को घुमाते हुए कहा, ऐसा कहना बहुत गलत होगा। हम लोगों को न जाने कितने लोग प्यार करते हैं, सिर्फ सलमान को ही नहीं, पूरे परिवार को। जिस तरह की पोजीशन हम लोग होल्ड करते हैं, उसके भी काफी महत्व हैं, तो मैं इसपर तो जवाब नहीं दूंगा जो आपने पूछा है। इसके अलावा, भगवान जिस स्थिति में आपको डालते हैं, उसमें आपको तकलीफ होती है या फिर यूं कहिए कि आपके काम ने आपको इस स्थिति में डाला है। इसमें कुछ इस तरह के सीनैरियो भी आते हैं। मुझे लगता है कि ये आपकी लाइफ का ही एक हिस्सा होता है पर अगर देखा जाए तो जिस तरह का प्यार और अपनापन हम लोगों को फैन्स से मिल रहा है। तो बाकी कुछ और मैटर नहीं करता। फैन्स का प्यार ही तो है, जिसकी बदौलत परिवार को हिम्मत मिल रहा है। अरबाज ने कहा- ये प्यार हम लोगों को बहुत स्ट्रेन्थ दे रहा है। कितने लोग हम लोगों को सपोर्ट कर रहे हैं। ऐसे वक्त में ही पता चलता है कि कौन लोग आपके साथ खड़े हैं।

सेनन को आलिया ने दो पत्ती के लिए दी बधाई

कृति सेनन और काजोल स्टारर फिल्म दो पत्ती 25 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। आलिया भट्ट हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जिगरा में नजर आई हैं। आलिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कृति सेनन को उनके प्रोडक्शन की पहली फिल्म दो पत्ती के लिए बधाई दी और साथ ही एक खास नोट भी लिखा। हाल ही में मेकर्स ने दो पत्ती का ट्रेलर रिलीज किया। प्रशंसकों को दो पत्ती का सस्पेंस से भरपूर ड्रामा काफी पसंद आ रहा है। आलिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ट्रेलर साझा किया और लिखा, आपके पहले प्रोडक्शन के लिए बधाई-कृति सेनन। इसे देखने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती। दो पत्ती इस साल की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक है। इस फिल्म में काजोल एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जबकि कृति इस फिल्म में डबल रोल में नजर आएंगी। शशांक चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित, दो पत्ती को कृति और कनिका ढिल्लन द्वारा समर्थित किया गया है।

बोलीं- इसे देखने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकती

देवीपुर में सेट, दो पत्ती रहस्य, रोमांच और ड्रामा से भरपूर एक मर्डर मिस्ट्री के इर्द-गिर्द घूमती है। काजोल एक पुलिस वाली की भूमिका में हैं, जिसे एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने का काम सौंपा जाता है, जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, दर्शकों को कृति की सौम्या और शहीर शेख की ध्रुव से मिलवाया जाता है। यह जोड़ा एक-दूसरे से बहुत प्यार करता है, लेकिन जब सौम्या की जुड़वां बहन तस्वीर में आती है तो कहानी एक अलग मोड़ लेती है। उनके निजी और वैवाहिक जीवन में तबाही मचा जाती है, जिससे चीजें बिगड़ जाती हैं। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे ध्रुव को हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार किया जाता है और कैसे काजोल जुड़वां बहनों के मामले को सुलझाती है। दो पत्ती से कृति और कनिका ढिल्लन ने निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत की हैं। कनिका ने कहा, दो पत्ती एक बहुत ही खास प्रोजेक्ट है और अपने दर्शकों को एक बेहतरीन कहानी देने से बड़ी संतुष्टि और कुछ नहीं हो सकती, जो रोमांचकारी और देखने में काफी दिलचस्प हो।

मैं बड़ी फिल्में अपने माता-पिता के लिए करता हूं : शाहरुख

शाहरुख खान बॉलीवुड के वो अभिनेता हैं, जिनके प्रशंसक ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व भर में हैं। अपने अभिनय और अनोखे अंदाज के चलते उन्होंने अपनी कभी ना मिटने वाली पहचान बना ली है। शाहरुख खान को कुछ सबसे बड़ी हिंदी फिल्मों में अभिनय करने के लिए जाना जाता है। शाहरुख की ज्यादातर सफल फिल्में चाहे रोमांस जॉनर की हों या एक्शन की लार्जर-दैन-लाइफ रही हैं। अब हाल ही में, किंग खान ने खुलासा किया है कि वह बड़ी फिल्में किस वजह से बनाते हैं। अभिनेता ने कहा कि वह बड़ी फिल्में अपने माता-पिता के लिए करते हैं, जिन्हें उन्होंने बहुत कम उम्र में खो दिया था। शाहरुख खान हाल ही में लोकार्नो फिल्म फेस्टिवल में मेहमान बनकर आए थे। शाहरुख ने कहा , एक समय ऐसा भी आया, जब हम यह फिल्म नहीं बना पा रहे थे और मैं आगे बढ़ गया।

लेकिन मैं अपने करियर में ऐसी फिल्म करने के लिए बहुत उत्सुक था। उन्होंने आगे कहा, जब मैं फिल्मों में आया, तब तक मेरे माता-पिता का निधन हो चुका था, वे दोनों जीवित नहीं थे। मुझे नहीं पता, किसी कारण से, मुझे हमेशा लगता था कि मैं ऐसी फिल्में बनाऊंगा जो बहुत बड़ी हों, ताकि मेरे माता-पिता उन्हें स्वर्ग से देख सकें। इंटरव्यू में बात करते हुए शाहरुख ने इसे बचकानी सोच बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी लगता है कि उनकी मां एक स्टार हैं। अभिनेता ने कहा, मुझे अब भी लगता है कि मेरी मां एक स्टार हैं, और यह सच है। मुझे लगता है कि मैं उन्हें एक स्टार के रूप में जानता हूं। इसलिए मुझे लगा कि अगर बड़ी फिल्में बनाऊंगा तो उन्हें यह वाकई पसंद आएगी। वे इसकी सराहना करेंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म किंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। सुजॉय घोष निर्देशित यह फिल्म जनवरी में फ्लोर पर आएगी और इसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी होंगी। खबर है कि टीम शाहरुख के जन्मदिन 2 नवंबर को एक वीडियो टीजर के साथ फिल्म की घोषणा कर सकती है।

बॉलीवुड | मसाला

यहां मिलता है काले रंग का अंडा! सेवन करने से बढ़ जाती है इंसान की उम्र!

आपने सफेद अंडे तो बहुत देखे होंगे, उन्हें खाया भी होगा पर क्या कभी आपने मुर्गी का काला अंडा देखा है? आप कहेंगे कि अंडा जल जाने के बाद काला हो सकता है पर प्रकृतिक रूप से काला अंडा नहीं हो सकता। पर जापान में काले रंग का अंडा देखने को मिलता है जिसे देखकर हर कोई हैरान हो जाता है। हम बात कर रहे हैं कूरो टमागो की जिसे काला अंडा कहा जाता है। जापान में ओवाकुदानी नाम की ग्रेट बॉइलिंग वैली है। ये माउंट हकोने पर स्थित है। 3000 साल पहले ज्वालमुखी फटने की वजह से ये बनी थी। यहां इतना तेज धमाका हुआ था कि आज भी इस इलाके में उबलते पानी के छोटे-छोटे तालाब बने हुए हैं। यहां मौजूद लोग इन्हीं तालाब में मुर्गी का साधारण सा अंडा उबालते हैं जो काले रंग का हो जाता है। इस काले अंडे को कूरो टमागो कहते हैं। मान्यता है कि ओवाकुदानी के उबलते पानी में उबले इन काले अंडों को जो कोई भी खा लेगा, उसकी जिंदगी में 7-8 और भी बढ़ जाएंगे। पर सवाल ये उठता है कि अगर अंडा मुर्गी का ही है और उसमें कोई खासियत नहीं है, और पानी भी उबलता हुआ है तो वो काला कैसे हो जाता है। दरअसल, इस पानी में सल्फर भारी मात्रा में है। इसकी वजह से पानी में सल्फर डायऑक्साइड और हाइड्रोजन सल्फाइड बनता है। जब ये पानी अंडे के छिलके से मिलता है तो काला हो जाता है। इस अंडे से सल्फर की महक आती है और स्वाद भी वैसा ही हो जाता है। अंडों को बड़ी मात्रा में इन्हीं पानी में उबाला जाता है और बहुत से लोग वहां घूमने और इन अंडों को खाने आते हैं। इन्हें धातु के बड़े मेटल क्रेट में भरा जाता है और एक घंटे तक पानी में डाल दिया जाता है। पानी का तापमान करीब 80 डिग्री सेल्सियस तक होता है। इसके बाद उन्हें 100 डिग्री सेल्सियस तक 15 मिनट के लिए स्टीम किया जाता है। वो काले होकर बाहर निकलते हैं और अंदर सफेद और पीला रंग मौजूद रहता है। लोगों को 300 रुपये में 5 अंडे दिए जाते हैं, यानी 300 रुपये में 35 साल!

अजब-गजब | 20 साल पहले उबले अंडे की बदली सूरत

कीमती पत्थर जैसा हुआ हुलिया!

अंडा उबालकर खाना तो सभी को पसंद होता है। कई लोग उसका ऑमलेट बना लेते हैं, भुर्जी बना लेते हैं और जितने भी तरह की डिशेज अंडे से बन पाती हैं उन्हें बना लिया जाता है लेकि उबले हुए अंडे की बात ही कुछ अलग है। पर क्या आपने कभी सोचा है कि अगर उबले हुए अंडे को खाया न जाए, बस संरक्षित कर के रख लिया जाए तो क्या होगा? इस बात का पता हाल ही एक खबर से पता चलता है। एक चीनी महिला ने सालों तक अंडे को संरक्षित कर के रखा, मगर अब उसका लुक ऐसा हो गया कि वो देखने में अंडा नहीं, बल्कि कीमती पत्थर लगने लगा है। एक चीनी महिला ने लोगों को 20 साल पुराने उबले हुए अंडे की फोटो दिखाकर दंग कर दिया है। महिला का सरनेम फू है और उसने कुछ वक्त पहले चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दोबान पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो जीवाश्म अंडे की हैं। सोशल मीडिया पर जब तस्वीर वायरल हुई तो न्यूज आउटलेट ने भी महिला से संपर्क किया और अंडे की कहानी के बारे में जाना। महिला ने बताया कि जब वो स्कूल में थी,

अंडे को रखकर सालों तक भूला रहा परिवार

तब उसकी मां ने उसके खाने के लिए अंडा खरीदा था। उसका साइज काफी छोटा था। महिला ने एक दिन अंडे को उबालकर बच्ची को स्कूल में खाने के लिए दे दिया। पर चूंकि अंडा उसके बैग के अलग पॉकेट में रखा था, तो उसका ध्यान नहीं गया। 3 दिन बाद जब उसने अंडे पर ध्यान दिया, तो उसे लगा कि वो अब तक खराब हो चुका होगा। मगर उसे फेंकने की जगह उसने अंडे को फ्रिज के ऊपर सहेजकर रख दिया। दो-तीन महीने बाद बच्ची की मां को वो अंडा दिखा जो सड़ने लगा था, मगर खराब होने की जगह वो लाल रंग लेता जा रहा था और चमकने लगा था। महिला ने उसे अपने गहनों के डिब्बे में सहेजकर रख लिया। साल बीते और फू अपने माता-पिता के घर से निकलकर बाहर चली गई पर ना ही उसे और ना ही उसकी मां को उस अंडे का ध्यान रहा। कुछ दिनों पहले जब मां घर की सफाई कर रही थीं तब उन्हें वो अंडा नजर आया। वो पूरी तरह लाल हो चुका था, चमक रहा था और उसके ऊपर लाइन्स थीं। दिखने में वो प्लास्टिक जैसा लग रहा था पर उसकी चमक और लाल रंग उसे रूबी जैसे कीमती पत्थर का लुक दे रही थीं।

हरियाणा की हार का महाराष्ट्र में नहीं दिखेगा असर : शरद पवार

» कहा- लेडी ऑफ जस्टिस की नई प्रतिमा का अनावरण कर सीजेआई ने दिखाई नई दिशा

बोले- जम्मू-कश्मीर के नतीजे देश के लिए हैं महत्वपूर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों पर राकांपा-एसपी अध्यक्ष शरद पवार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव के नतीजों का असर अगले महीने होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पर नहीं पड़ेगा। दरअसल, हरियाणा में भाजपा ने कांग्रेस को हराकर राज्य में सरकार बनाने में कामयाब हुई है। शरद पवार ने कहा कि भाजपा उस राज्य (हरियाणा) में भाजपा का शासन था और वह सत्ता बरकार रखने में कामयाब रही। उन्होंने कहा, हम हरियाणा के बारे में पढ़ रहे हैं, और इसके साथ ही हम जम्मू-कश्मीर के नतीजों पर भी नजर डाल रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि इसका (हरियाणा चुनाव के नतीजे) असर राज्य विधानसभा (महाराष्ट्र) चुनाव पर पड़ेगा।

जहां तक जम्मू कश्मीर का सवाल है, विश्व समुदाय इसपर ज्यादा ध्यान देता है। जम्मू-कश्मीर के नतीजे देश के लिए महत्वपूर्ण हैं। बता दें कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को चुनाव होने वाला है। नतीजे 23 नवंबर को जारी होंगे। वहीं सतारा जिले के कराड में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि लेडी ऑफ जस्टिस की प्रतिमा का अनावरण करके मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने एक नई दिशा दिखाई है, क्योंकि इससे पहले किसी ने भी बदलाव करने के बारे में नहीं सोचा। इस प्रतिमा में आंखों पर पट्टी की जगह खुली आंखें दिखाई गई हैं और हाथ पर तलवार की जगह संविधान रखा हुआ है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) द्वारा चिह्नों की मुफ्त सूची में उपलब्ध ट्रम्पेट चिह्न को फ्रीज करने के राकांपा-एसपी के अनुरोध को स्वीकार न करने को लेकर शरद पवार ने बताया कि चुनाव आयोग ने उन्हें सूचित किया था कि उनकी पार्टी के चुनाव चिह्न की तस्वीर स्पष्ट नहीं है। लेकिन अब उन्होंने चुनाव चिह्न की तस्वीर को बड़ा कर लिया है। यह अब स्पष्ट रूप से दिख रहा है। एमवीए के सीएम चेहरा को प्रोजेकिट करने पर बोले कि शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा-एसपी के बीच इसे लेकर मुद्दा सुलझ गया है। उद्धव ठाकरे की मौजूदगी में यह स्पष्ट हो गया है।

राज्य के भविष्य को नया आकार देने में जयंत पाटिल की भूमिका अहम

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की तारीख का एलान हो चुका है। इस बीच एक कार्यक्रम में एनसीपी एसपी के अध्यक्ष शरद पवार ने संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी, प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को अहम जिम्मेदारी सौंप सकती है। शरद पवार ने कहा कि राज्य के भविष्य को नया आकार देने में जयंत पाटिल की भूमिका अहम होगी। शरद पवार के इस बयान के बाद कयासों का दौर शुरू हो गया है। शरद पवार ने कहा कि सीटों के बारे में फैसला पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल लेंगे। उन्होंने कहा, मैं सीट बंटवारे की चर्चा में सीधे तौर पर शामिल नहीं हूं। जयंत पाटिल इस वार्ता में हमारी पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने जो जानकारी दी है, उसके अनुसार, कुल 288 सीटों में से करीब 200 सीटों पर सहमति बन गई है।

24 से चार नवंबर तक होगा भारत महोत्सव

» आज का भारत समृद्ध भारत के थीम पर कांशीराम सांस्कृतिक उपवन स्थल पर होगा आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगति भारत महोत्सव 24 अक्टूबर से 4 नवंबर तक कांशीराम स्मृति उपवन बांग्ला बाजार आशियाना में आयोजित होगा। यह जानकारी संस्था के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता कर दी।

उन्होंने बताया कि संस्था के फेसबुक सहित इंस्टा स्टूडियो के माध्यम से देश विदेश के लोगों को प्रगति भारत महोत्सव 2024 से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा महोत्सव से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए महोत्सव के फेसबुक लिंक प्रयोग प्रसारण के लिए किया जाएगा। संस्था के उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह ने बताया कि प्रगति भारत महोत्सव-2024 की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे।

नगर आयुक्त ने बदला नगर निगम में वर्षों से जमे अवर अभियंता का जोन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अवर अभियंता सिविल में कई कई वर्षो से एक ही जोन में जमे अवर अभियंताओं का नगर आयुक्त ने जोन में बदलाव कर दिया। क्योंकि सहायक अभियंता और महिला अवर अभियंता जोनों में वसूली और चिन्हित ठेकेदारों पर आखिर किसकी मेहरबानी बनी हुई है जो साइड पर निरीक्षण करने तक नहीं जाते सिर्फ बिल के समय फोटों खींचने जैसा काम करते है समस्त काम निजी सुपरवाइजर द्वारा किया जाता था जिसकी लगातार शिकायतें महापौर को प्राप्त हो रही थी यहां तक मेजर बुक तक सुपरवाइजर द्वारा भरी जा रही थी।

माननीय की वसूली भी इन अवर अभियंताओं द्वारा ही की जाती थी और तो और ठेकेदारों पर दबाव बनाया जाता था कि पहले माननीय का दो फिर फाइल पर हस्ताक्षर होंगे बीच बीच में आवश्यकता अनुसार अवर अभियंताओं को नगर एक्ट द्वारा अन्य जोनों में भी भेजा जाता था परन्तु यह पूर्व जोन न छोड़कर अन्य दूसरा जोन स्थानांतरित होकर आ जाते थे सूत्रों के अनुसार कई अवर अभियंता तो पहचान के पीछे से रिश्तेदारों नौकरों और ड्राइवरों के नाम पर ठेकेदारी भी कर रहे वीके पाठक जैसे सहायक अभियंता पूरा जीवन की नौकरी कर रहे है जोन 3 में काकश चला रहे हैं।

दोस्तपुर-पूर्वांचल एक्सप्रेसवे बाईपास पर गड्ढामुक्त के दावे खोखले

» बिना गिट्टी और डामर के सिर्फ मिट्टी डाल कर दिया गड्ढामुक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। जिले के कस्बा दोस्तपुर में लगने वाले जाम के बारे में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो जानता ना होगा और इसमे फंसने के बाद उसका पूरा यात्रा का समय ना बढ़ गया हो। कस्बे में नियमित बुरी तरह से जाम लगता है जिसके लिए सड़क पर बढ़कर लगने वाली दुकानें और सड़क की पटरी पर लगने वाले ठेले जिम्मेदार हैं। जिम्मेदार सब कुछ जानते हुए भी बेखबर बने हुए हैं।

फिलहाल इस जाम से अगर बचना हो तो इसके लिए कस्बे के बाहर से वैकल्पिक मार्ग है जिसका प्रयोग त्योहारों के दौरान होता है जो ब्लॉक चौराहा दोस्तपुर को बढ़ौली होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ता है। यह मार्ग अन्य दिनों में भी कस्बे में लगने वाले जाम को कम करने लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस मार्ग पर दो से तीन फीट गहरे गड्ढे हो गए थे, बड़े वाहन भी जैसे-तैसे ही निकल पाते थे, ट्रैक्टर-ट्राली जैसे वाहन आये दिन इस पर पलटते रहते थे, वहीं बड़े गड्ढों की वजह से छोटी गाड़ियों का तो निकलना मुमकिन नहीं नजर आता। इसी रास्ते से होकर शाम से पूरा यातायात परिवर्तित रहता है।

सड़क दे रही बड़ी घटना को आमंत्रण

जिसके बारे में कस्बे के स्थानीय लोगों एवं दुर्गा पूजा समितियों ने शांति समिति बैठक के दौरान थाना दोस्तपुर में परिसर में एसडीएम कादीपुर एवं लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदारों को अवगत कराया। आश्वासन मिला कि इसको गिट्टी डालकर लिपाई करवाकर गड्ढामुक्त कर दिया जायेगा, लेकिन जिम्मेदारों ने सिर्फ खानापूर्ति किया और कुछ ईंट के टुकड़े और मिट्टी डालकर अपना पल्ला झाड़ दिया, सड़क के किनारे पत्थरों के टुकड़े पड़े हैं जिससे टकरा कर बाइक सवार गिर भी सकते हैं, वही अगर जरा सी बारिश हुई तो सड़क कीचड से भर जाएगी। ये किसी बड़ी घटना को आमंत्रण दे सकता है।

पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड ने मैच पर कसा शिकंजा

» लंच तक 7 विकेट खोकर बनाये 345 रन

» रचिन रवींद्र ने टेस्ट कैरियर का जड़ा दूसरा शतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला बंगलूरू में जारी है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में महज 46 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में तीन विकेट गंवाकर 180 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसने तीसरे दिन लंच तक अपनी पहली पारी में सात विकेट गंवाकर 345 रन बना लिए हैं।

रचिन रवींद्र ने टेस्ट करियर का दूसरा शतक जड़ा। वह 104 रन और टिम साउदी 49 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों के बीच आठवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड की बढ़त फिलहाल 299 रन की है। साउदी भी सातवें टेस्ट अर्धशतक से एक रन दूर हैं। अपनी पारी में रचिन ने अब तक 11 चौके और दो छक्के लगाए हैं। वहीं, साउदी ने तीन चौके और तीन छक्के लगाए हैं। 233 रन पर कीवी टीम का सातवां विकेट गिरा था। इसके बाद से साउदी और रचिन ने आक्रामक बल्लेबाजी की। न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन पहले सत्र में 31 ओवर में 165 रन बनाए और चार विकेट गंवाए। कीवी टीम ने आज 5.32 के रन रेट से रन बटोरे हैं। टीम ने तीन विकेट पर 180 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज डेरिल मिचेल (18), टॉम ब्लंडेल (5), ग्लेन फिलिप्स (14) और मैट हेनरी (8) के विकेट गंवाए। भारत के लिए इस टेस्ट में वापसी करना मुश्किल होगा।

घरेलू मैदान पर भारत ने बनाया न्यूनतम स्कोर

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सहित भारत के रिकॉर्ड पांच बल्लेबाज न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में पहले टेस्ट में गुरूवार को खाता खोले बिना आउट हुए। भारत ने अपनी पहली पारी में 46 रन बनाये जो उनका घर में हुए टेस्ट मैचों में सबसे न्यूनतम स्कोर है। उनका पिछला न्यूनतम स्कोर घर में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ 1987 में दिल्ली में आया था जब वे 75 रनों पर ऑलआउट हो गए थे। यह भारत का कुल मिलाकर टेस्ट मैचों में तीसरा न्यूनतम स्कोर है। भारत का 46 रनों पर ऑलआउट होना किसी भी टीम द्वारा एशिया में सबसे न्यूनतम है। पिछला रिकॉर्ड एशिया में 53 रन पर ऑलआउट था।

फिर जहरीली शराब से दहला बिहार, अब तक लगभग 35 लोगों की मौत, 50 से ज्यादा भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के सिवान और सारण जिलों में भी जहरीली शराब पीने से 10 और लोगों की मौत हो गई। इससे इस त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़ कर लगभग 35 तक पहुंच गई है। वहीं लगभग 50 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। जहरीली शराब पीने से मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ने की आशंका है, डॉक्टरों के अनुसार जहरीली शराब पीने की वजह से जिन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है उनकी हालत बेहद खराब है। पटना के अस्पताल में भी जिन लोगों को इलाज के लिए रेफर किया गया था उनमें से ज्यादा लोगों की भी इलाज के दौरान ही मौत हो चुकी है।

वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को इस मामले की उच्चस्तरीय समीक्षा करके सभी बिंदुओं पर जांच करने का निर्देश दिए हैं। सारण रेंज के डीआईजी नीलेश कुमार ने बताया कि सिवान जिले की मगहर तथा औरिया पंचायतों में संदिग्ध अवैध शराब पीने से अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। सारण जिले के मशरख थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर इलाके में भी 7 लोगों की संदिग्ध अवैध शराब पीने से मौत हो गई है। दोनों जिलों के 25 से अधिक लोग अभी भी सीवान, सारण और पटना के विभिन्न अस्पतालों में अपनी जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

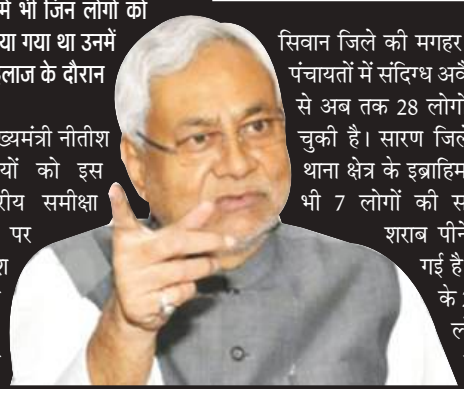

वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सीवान और सारण में संदिग्ध जहरीली शराब से हुई मौतों की जांच की प्रगति के बारे में गुरुवार को जानकारी ली थी। मुख्यमंत्री ने बिहार के पुलिस महानिदेशक को व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बिहार में शराबबंदी मामले में सियासत गर्म

वहीं अब इस मामले को लेकर बिहार में सियासत भी गर्म हो गई है, शराबबंदी को लेकर पक्ष और विपक्ष में जमकर वार-पलटवार हो चल रहा है। विपक्षी दल आठ साल से अधिक समय पहले नीतीश कुमार सरकार द्वारा शराब की बिक्री और सेवन पर लगाए गए प्रतिबंध की प्रभावशीलता पर सवाल उठा रहे हैं। इस घटना को लेकर राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को राज्य में हुई हालिया मौतों के लिए दोषी ठहराया जाना चाहिए। यह एक सामूहिक हत्या है। शराबबंदी नीतीश सरकार के संस्थागत भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। शराबबंदी को प्रभावी ढंग से लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है,शराबबंदी आज बिहार में सुपर फ्लॉप है।

बीजेपी ने घटना पर जताया दुख

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीजेपी नेता ने कहा कि यह घटना बहुत दुखद है और इसके लिए जिम्मेदार लोग बहुत जल्द पकड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में राजग सरकार शराबबंदी को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार में जबतक शराब की बिक्री हुआ करती थी, तब तक महिलाओं के खिलाफ कई अपराध होते थे। जो लोग राज्य में शराबबंदी हटाने की मांग कर रहे है, उनकी शराब माफिया से सांठगांठ है।

इससे पहले भी जहरीली शराब ने निगली थी जिंदगियां

बिहार में जहरीली शराब से मौत का यह कोई पहला मामला नहीं है, पिछले ही साल सीतामढ़ी में जहरीली शराब पीने से 6 लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों के परिवारों का कहना था कि जिन लोगों की उस घटना में मौत हुई थी उन सभी एक साथ बैठकर शराब पी थी, जहरीली शराब पीने के बाद इन लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद इन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल लेकर जाया गया था. जहां इलाज के दौरान एक-एक कर सभी की मौत हो गई थी।

यूपी में मजाक बन गया एनकाउंटर : प्रमोद तिवारी

» कहा- हमेशा आरोपियों के पैरों में ही लगती है पुलिस की गोली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने बहराइच में हुए एनकाउंटर पर कहा कि प्रदेश में एनकाउंटर का मजाक बनाकर रख दिया गया है। हर बार गोली आरोपियों के पैर में ही लगती है।

उन्होंने कहा कि राज्य में अपराध कम होना चाहिए लेकिन यूपी में अपराध बढ़ रहे हैं। जहां भी भाजपा की सरकार है वहां पर अपराध बढ़ रहे हैं चाहे यूपी हो या फिर महाराष्ट्र। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार पूरी तरह फेल साबित हुई है। बता दें कि गुरुवार को बहराइच में हिंसा के दो आरोपियों को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। हिंसा के पांचों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

प्रज्वल की मां को 'सुप्रीम' राहत

» कर्नाटक हाई कोर्ट ने सशर्त दी जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक के चर्चित सेक्स स्कैंडल में फंसे जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट से मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने से साफ इनकार कर दिया प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी रेवन्ना की अग्रिम जमानत बरकरार रहेगी।

प्रज्वल रेवन्ना पर ये हैं आरोप

भवानी रेवन्ना जेडीएस नेता और पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मां हैं। प्रज्वल रेवन्ना पर कई महिलाओं के यौन शोषण का आरोप हैं। प्रज्वल पर ये भी आरोप हैं कि वे महिलाओं का यौन शौषण करते वक्त खुद ही वीडियो रिकॉर्ड करते थे और बाद में रिकॉर्डिंग दिखाकर महिलाओं को ब्लैकमेल कर बार-बार उनका शोषण करते थे। प्रज्वल रेवन्ना की ये वीडियो अप्रैल में सार्वजनिक हो गईं, जिसके बाद कर्नाटक की राजनीति में भूचाल आ गया था। वीडियो वायरल होने के बाद प्रज्वल विदेश चले गए थे, लेकिन बाद में विदेश से लौटने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। भवानी रेवन्ना पर प्रज्वल रेवन्ना के शोषण का शिकार हुई एक महिला का अपहरण करने और उसे प्रताड़ित करने का आरोप है। इसी मामले में हाईकोर्ट ने भवानी रेवन्ना को अग्रिम जमानत दी थी।

अग्रिम जमानत के खिलाफ कर्नाटक सरकार की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी को बड़ी राहत देते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश को बरकार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है और भवानी रेवन्ना को दी गई अग्रिम जमानत में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अब 13 नवंबर को नहीं होगा मिल्कीपुर उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव पर कोर्ट का फैसला टल गया है, लखनऊ हाईकोर्ट ने मिल्कीपुर सीट के लिए एक सप्ताह के लिए फैसला टाल दिया है, इस कारण मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर लंबित चुनाव याचिका को वापस लेने की अपील पर गुरुवार को फैसला नहीं हो सका।

न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने मामले की सुनवाई करते हुए एक हफ्ते में अधिकृत गजट प्रकाशित करने का आदेश जारी किया, इसके साथ ही कोर्ट ने अदालत ने साल 2022 विधानसभा चुनाव के सभी उम्मीदवारों को नोटिस भेजने का भी आदेश जारी किया, बता दें कि 2 नवंबर के बाद मामले की अगली सुनवाई होगी, वहीं सुनवाई के दौरान अवधेश प्रसाद के वकील ने याचिका पर विरोध जताते हुए सभी 6 उम्मीदवारों के वकीलों को नोटिस भेजने की मांग की और उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई सभी पक्षों को सुनने के बाद ही होनी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई अब 2 नवंबर के बाद होगी, इस देरी के चलते मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव की तारीखों पर भी प्रभाव पड़ सकता है।

बहराइच : पुलिस के साये में अदा हुई जुमे की नमाज

» जिले में बाहरी लोगों की एंट्री पर लगा है प्रतिबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तरप्रदेश के बहराइच में हुई हिंसा के बाद हालात काफी गंभीर बने हुए है। बहराइच में ही हिंसा के बाद से ही सुरक्षा व्यवस्था काफी तगड़ी कर दी गई है। सुरक्षा के लिए यहां रैपिड रिस्पॉन्स फोर्स के जवानों को तैनात किया गया है। नमाज के दौरान होने वाली संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए है।

बता दें कि हिंसा प्रभावित इलाकों को नौ सेक्टरों में विभाजित किया गया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार इन इलाकों में मुस्तैदी के साथ सुरक्षा के इंतजाम देख रही है। वहीं जुम्मे की नमाज को देखते हुए प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाए है। इसके तहत बहराइच में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है।

वहीं मुख्यमंत्री ऑफिस भी लगातार पुलिस और जिला प्रशासन के संपर्क में बना हुआ है। इसके लिए कंट्रोल रुम भी बनाया गया है। वीडियो फुटेज के जरिए ही उपद्रवियों की पहचान हो रही है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद 100 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

बहराइच जिले के महाराजगंज इलाके में 13 अक्टूबर को हुई साम्प्रदायिक हिंसा के पांच आरोपियों को पुलिस ने बृहस्पतिवार दोपहर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में दो आरोपी घायल भी हुए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ भारत—नेपाल सीमावर्ती नानपारा कोतवाली क्षेत्र में सरयू मुख्य नहर के निकट हाड़ा बसेहरी में हुई। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि 13 अक्टूबर को महाराजगंज में एक युवक की गोली मार कर हत्या के मामले में आज बहराइच पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार लोगों के नाम मोहम्मद फ़हीम, मोहम्मद तालिब उर्फ सबलू, मोहम्मद सरफराज, अब्दुल हमीद और मोहम्मद अफजाल हैं। उन्होंने बताया कि 13 अक्टूबर को एक युवक की हत्या में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी के लिए पुलिस फहीम और तालिब की निशानदेही पर उन्हें लेकर गई तो उन्होंने वहां रखे हथियारों से पुलिस दल पर गोलियां चलायीं। कुमार ने बताया कि जवाबी गोलीबारी में दोनों को गोलियां लगीं और वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।